7 बढ़े कहानी

मनुष्य कहानी-प्रिय है। कहानी बनाना दिलचश्प और चुनौतीपूर्ण कार्य है। छात्र में कहानी निर्माण के प्रति रुचि उत्पन्न हो इसलिए यहाँ वैविध्यपूर्ण अभ्यास दिए गए हैं। कहानी विकास और विस्तार की प्रवृत्तियाँ कहानी लेखन की ओर नई दिशा देंगी।

कौआ और मुर्गी

कहानी पढ़ते जाइए और उसमें छूटे हुए शब्दों को खाली स्थान में भरते जाइए।

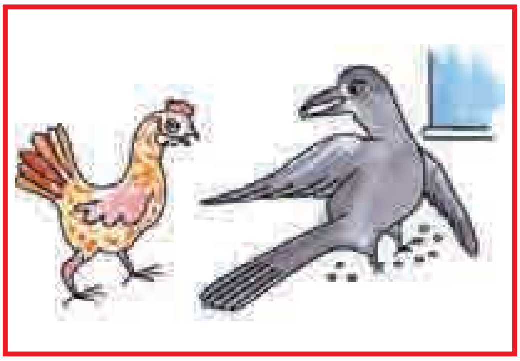

कौआ और मुर्गी दोनों एक घर में .... थे।
.... दाना लाता था। .... भी दाना लाती थी।
ऐसा करते-करते घर में बहुत .... जमा हो गया।
एक दिन कौए ने .... ''मैं चावल लेने .... हूँ,
तू घर का .... बन्द रखना नहीं तो कोई
.... ले ....।''

थोड़ी देर बाद एक घोड़ा ....। ....ने कहा,
''मुर्गी-मुर्गी दरवाजा .... और मुझे दाना दे।''
.... ने कहा, ''नहीं, नहीं मैं दाना ....।''
.... ने कहा, ''मुर्गी, मुझे .... दे,
मुझे बहुत .... लगी है।''
मुर्गी को दया आ गई। उसने सारे दाने .... को दे दिए।

अब .... सोचने लगी, कौआ दाना माँगेगा तो मैं कहाँ से दूँगी?
मुर्गी बहुत .... गई।
जब कौआ .... लेकर घर लौटा तब मुर्गी चक्की के पीछे छिप गई।
कौए ने आवाज़ लगाई, ''..............., ..., तू ....?''
डर के मारे .... चुप रही।
एक आवाज़ भी नहीं निकाली।

उस समय एक बिल्ली घर में आई।
बिल्ली ने कहा, ''मुर्गी, मुझे अपनी चक्की दे।
मुझे दाना .... है।''
कौए ने कहा, ''मुर्गी तो घर में .... है।
तू अपना .... यहीं लाकर पीस ले।''
.... दाना ले आई और पीसने को बैठी।

बिल्ली ने दाना .... में डाला।
मुर्गी ने चट उसे मुँह में भर लिया।
...............ने और दाना .... में डाला।
...............ने उसे भी चट ....।
बिल्ली .... लगी पर आटा न निकला।
ये देख बिल्ली बहुत .... हुई।

...............ने सारी बात कौए को बताई।
कौआ भी बहुत चकित हुआ।
कौआ सोचने लगा दाना कहाँ होगा।
ढूँढ़ते-ढूँढ़ते उसने चक्की के पीछे ....।
वहाँ मुर्गी मुँह में .... भरे बैठी थी।
उसका मुँह दाने से एकदम फूल गया था।

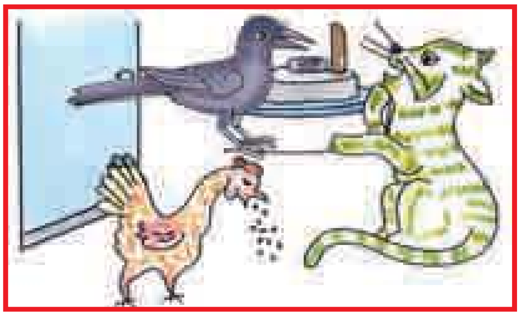

उसे देख कौआ हँसा।
उसे देख बिल्ली भी बहुत ....।
दोनों हँसे तो मुर्गी को भी जोर की .... आई।
वो हँसी और उसके मुँह से सारे दाने निकल पड़े।

अभ्यास

प्रश्न 1. ढाँचे के आधार पर कहानी का कथन और लेखन कीजिए :

एक बादशाह – वजीर की निवृत्ति के बाद उस पद के लिए उम्मीदवार बुलवाना – कठिन परीक्षा –तीन उम्मीदवारों का बादशाह तक पहुँचना – बादशाह का तीनों को एक ही सवाल – ''मेरी और तुम्हारी दाढ़ी में एक साथ आग लग जाए तो क्या करोगे?'' पहला – मैं पहले अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा। दूसरा – मैं पहले आपकी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा। तीसरा – मैं एक हाथ से आपकी और दूसरे हाथ से अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा। – बादशाह – पहला स्वार्थी, दूसरा नादान एवं तीसरा बुद्धिमान है, अत: तीसरे को वजीर पद के लिए नियुक्त करना।

प्रश्न 2. कहानी आगे बढ़ाइए :

एक चरवाहा था। एक बार जंगल की ओर बकरियाँ चराने गया। चरवाहा पेड़ के नीचे बैठा था और एक बकरी अकेली थोड़े दूर निकल गई। वहाँ कहीं से एक भेड़िया आ पहुँचा। उसने बकरी से कहा, 'मैं तुझे खाऊँगा...

अब आप बकरी की जान बचाकर कहानी पूर्ण कीजिए।

प्रश्न 3. टी.वी., रेडियो, टेपरिकार्डर और मोबाइल फोन के माध्यम से कहानी दिखाना या सुनाना, बाद में बारी-बारी से कक्षा में कहानी का वर्णन करवाना।

प्रश्न 4. दिए गए ढाँचे के आधार पर कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए :

एक नाई – चमत्कारी मुर्गी मिलना – मुर्गी का रोज सोने का एक अंडा देना – नाई का अमीर हो जाना – शहर भर में चर्चा – इज्ज़त करना – सारा सोना एक साथ पाने की लालसा जागना – मुर्गी को मार डालना – अंडे मिलना बंद होना – लालच में सोने के सब अंडे खो देना – सीख।

प्रश्न 5. नीचे दिए गए चित्र के आधार पर कहानी का निर्माण कीजिए :

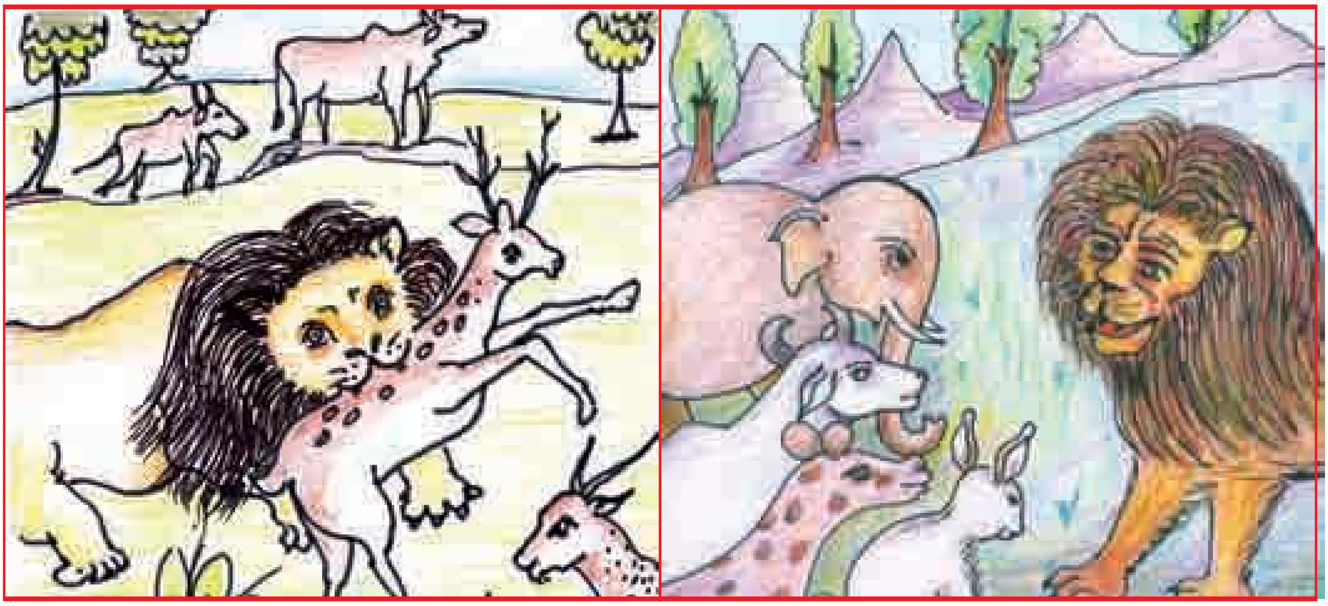

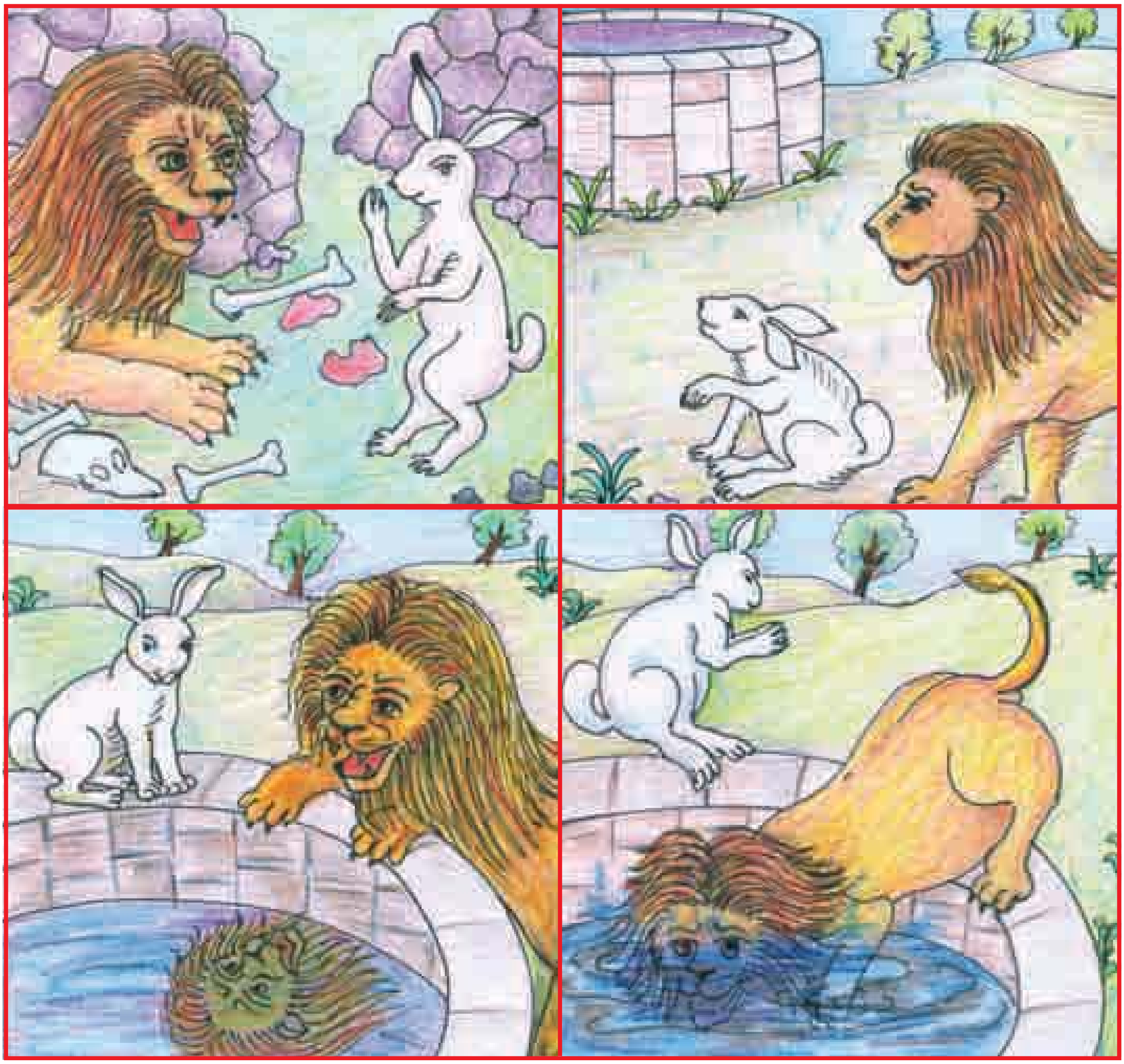

प्रश्न 6. 'प्यासा कौआ' कहानी में कौआ, मटका, पानी, पत्थर, धूप जैसे पात्र/वस्तुएँ हैं। ये सब कहानी की प्रतिक्रिया के रूप में 'अपनी प्यारी छोटी चाची' को जो बताते हैं, वह आप लिखिए।

जैसे :

धूप : आज गजब हो गया चाची, एक उड़ते कौए को हैरान करने की शरारत सूझी और मैं उस पर टूट पड़ी। पल में ही उसका गला सूखने लगा और जोरों की प्यास लगी। उसने एक पानी का मटका देखा, पर पानी खूब गहराई में था, उसकी पहुँच के बाहर था। मन ही मन सोचती थी – बच्चू! अब, क्या करोगे? पर वह बड़ा अक्लमंद निकला उसने पत्थर से पानी निकाला।

प्रश्न 7. शब्दों के भेद को जानकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

आदि–आदी, अपेक्षा–उपेक्षा, अशक्त–आसक्त, गृह–ग्रह, बहार–बाहर, शौक़–शोक

स्वाध्याय

प्रश्न 1. कहानी आगे बढ़ाइए... कहानी को अपने आप लिखिए :

(1) एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, 'बीरबल दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?' बीरबल ने क्या कहा होगा? कहानी आगे बढ़ाइए।

(2) गेंद स्कूटर के साथ कहीं चली गई। उसके बाद गेंद के साथ क्या–क्या हुआ होगा। सोचकर बताओ।

प्रश्न 2. ढाँचे पर से कहानी लिखिए :

एक कुत्ता – मुँह में रोटी का टुकड़ा – छोटे पुल पर से जाना – पानी में अपनी परछाईं देखना – परछाईं को दूसरा कुत्ता समझना – रोटी का टुकड़ा छीन लेने के लिए भौंकना – अपना टुकडा गँवाना – सीख।

योग्यता विस्तार

- अपने स्कूल में आनेवाले सामयिकों में दी गई कहानियों का संग्रह कीजिए और प्रार्थना सभा में कहिए।
- पुस्तकालय से कहानी की किताबें लेकर पढ़िए। आपने जो कहानी पढ़ी हो उसको कक्षा में कहिए।

◆